

<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर न्तारीख अहमद जो इस हुकम की तामील में जारी हुए</p>
<p>21-11-17</p>	<p>पत्रावली पेश हुई। अपीलान्त के अधिवक्ता श्री शमेश्वर दवे उपाख्येय एवं शेरगोडेय के अधिवक्ता श्री मनोज राज पुरोहित उपाख्येय। अपील पर उभयपक्षकारण की बहस हुई गई।</p> <p>अपीलान्त अधिवक्ता ने अपील कीमत में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया कि पत्रावली अधीनस्थ न्यायालय में 6/4/16 को निघत की तथा आगामी दिनांक 13/7/16 की गई थी। लेकिन पत्रावली निघत दिनांक से पूर्व अपीलान्त की अनुपाख्येय में बिना सुनवाई के निघत कर दी गई है। अतः अपील स्वीकारवाचक प्रकरण रिमाण्ड किया जावे।</p> <p>शेरगोडेय के अधिवक्ता ने बहस में कायम किया कि अधीनस्थ न्यायालय ने दिनांक 8/7/16 को निघत परित किया है वह सही है। अतः अपील खारिज की जावे।</p> <p>उभयपक्षकारण की बहस पर सुनवाई पत्रावली का अवलोकन किया। अधीनस्थ न्यायालय की ऑडोकिंग के अवलोकन से स्पष्ट है कि पत्रावली 6/4/16 को सुनवाई में निघत थी। उसके पश्चात् 13/7/16 सुनवाई हेतु रखी गई।</p>	

पु. अपील प्राधिकारी

P.T. 1

परंतु पत्रावली दिनांक 13/7/16 को हुनबाई में आने से पूर्व ही अर्धीनस्थ न्यायालय ने दिनांक 8/7/16 को अपीलार्थी को आदेश पारित कर दिया। इस प्रकार अर्धीनस्थ न्यायालय ने उक्त आदेश निर्धारित प्रक्रिया को अपनाते हुए उभयपक्षकारण को पूर्ण हुनबाई का अवसर देते हुए पारित नहीं किया है। अतः प्रकरण रिमाण्ड करने योग्य है।

अतः अपील अपीलार्थी स्वीकार की जाकर अर्धीनस्थ न्यायालय का आदेश दिनांक 8/7/16 निरस्त किया जाएगा है। एवं प्रकरण अर्धीनस्थ न्यायालय को इस निर्देश के साथ प्रतिषेधित किया जाता है कि प्रकरण को उभयपक्षकारण समुचित हुनबाई का अवसर देकर निष्पत्तिनुसार पुनः निर्णित करें।

आदेश आज दिनांक 21/11/17 को मेरे द्वारा लिखा जाकर बुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली प्रेशल लेकर नम्बर से कम हो। अर्धीनस्थ न्यायालय की पत्रावली सहित आदेश की प्रति आश्रीत कार्रवाई हेतु न्यायालय सहायक कलेक्टर कोषिणा को प्रेषित हो।

21/11/17